ज्ञान ज्योति प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता–20

(संदर्भ ग्रन्थ– आचार्य महाश्रमण रचित 'धम्मो मंगल मुक्किठं, पेज– 212–254)

अन्त्याक्षरी : प्रत्येक उत्तर पहले उत्तर के अन्तिम अक्षर से शुरू करें।

1. जैन जीवन शैली के नौ सूत्रों में से एक है.....।
2. स्वामी भीखणजी के समय साधुओं के..... की कोई निश्चित व्यवस्था नहीं थी।
3. कालू..... में यत्र–तत्र विकिर्ण–तत्व–मुक्ताओं का प्राचुर्य है।
4. ..... हेत।
5. तेरहवीं..... में आचार्य श्री ने निक्षेपवाद का स्पर्श किया है।
6. असंयमी प्राणी के जीने की..... सावध अनुकम्पा है।
7. 20 अक्टूबर 1914 को एक शिशु ने लाडनूं, जिला ..... में जन्म लिया।
8. **जैन विश्व मिमांसा के अनुसार आठ पृथ्वियों में से एक है .....।**
9. उनकी दृष्टि में वह..... प्रबंध का उचित अवसर नहीं था।
10. अहो! ..... प्रभु तूं सही।
11. उनके जीवन में श्रुत के बाहुल्य और श्रद्धा की..... का कमनीय योग था।
12. मेरा अश्व उन्मार्ग को नहीं जाता, ... में ही चलता है।
13. न मे.....उम्मग्गं, मग्गं च पडिवज्जई।
14. अष्ट..... ऊपरै, अष्ट महागुण ठाण।
15. तो ..... जनहित जड़्यो,क्यूं शिवगमन कपाट?
16. शुभयोग की प्रवृत्ति के दो कारण है– मोहकर्म का विलय तथा..... कर्म का उदय।
17. जहा य किंपाकफला.....।
18. ..... एकाग्रता के विकास में त्राटक अथवा अनिमेष प्रेक्षा का प्रयोग बहुत सहायक होता है।
19. ..... व्यक्ति क्रोध से छुटकारा पा लेता है।
20. इसकी महत्ता और..... जन्म और मृत्यु को भी प्रभावित करती है।
21. उनके..... ग्रन्थों को पढ़ने से जहां उनके बहुश्रुत्य और बौद्धिकबल का दर्शन होता है।
22. आचार्यश्री तुलसी ने वि.सं. 2017 में दीक्षार्थिनी ..... को दीक्षित किया।
23. नारकीय..... दु:ख बहुल जीवन जीते हैं।
24. ..... नाथ स्वाम साहिब, सुजश तिलक पायो।
25. आठ सिद्धियों में से एक.....।

नोट : आपके उत्तर इस माह की 30 तारीख तक आपके नाम, पता, फोन नम्बर व पिनकोड के साथ प्रेषित करें। प्रत्येक माह 11

सम्पर्क सूत्र :

श्रीमती रजनी बाफना

एस–200, पहला तल्ला, ग्रेटर कैलाश, पार्ट–।।, नई दिल्ली–110 048, मो. +91 93504 14439